भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्

नई दिल्ली, दिनांक 1996

सं. पी. सी. आर.—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम 1970 (1970 का 48) की धारा 36 के उपबन्ध (झ) (अ) और (ट) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् केन्द्र सरकार की पूर्वानुमति से भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा की शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम 1983 में आगे संशोधन करने हेतु निम्न विनियम बनाती है, नामत :—

1. (1) इन विनियमों को भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा की शिक्षा के न्यूनतम मानक) संशोधन विनियम 1995 कहा जाए ।

(2) ये सरकारी गजट में उनके प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे ।

2. भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (भारतीय चिकित्सा की शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम 1986 में विद्यमान अनुसूची 3 के लिए निम्न अनुसूची प्रतिस्थापित की जाएगी, नामत :

अनुसूची-3 (विनियम 7 देखें)

कामिल-ए-तिब्-ओ-जराहत पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम मानक

(उपाधि पाठ्यक्रम)

उद्देश्य और प्रयोजन :—

यूनानी के सक्षम चिकित्सक तैयार करना जो जहां आवश्यक हो वहां आधुनिक प्रगतियों के साथ यूनानी चिकित्सा पद्धति के आधारभूत सिद्धान्तों एवं मौलिक सिद्धान्तों के विषय में अपने विस्तृत ज्ञान पर आधारित कार्य चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा के सभी प्रकार के रोगियों को संभाल सकें । ऐसे यूनानी स्नातक देश की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संस्थाओं में कार्य करने के लिए सक्षम होंगे ।

(1) प्रवेश अर्हता

मुख्य कामिल-ए-तिब्-ओ-जराहत (बैचलर आफ यूनानी मेडीसिन एण्ड सर्जरी) पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी को सीनियर सैकण्डरी (12वीं कक्षा) विज्ञान (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं जीव-विज्ञान) सहित इन्टरमीडिएट परीक्षा अथवा उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होना चाहिए ।

अथवा

एक वर्षीय अवधि की प्राग-तिब्ब परीक्षा उत्तीर्ण की हो ।

(2) प्राग-तिब पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अर्हता

मुख्य यूनानी पाठ्यक्रम के अंग एक वर्षीय प्राग-तिब्-पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यार्थी को इन्टरमीडिएट परीक्षा के समकक्ष भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् के द्वारा प्राप्य अर्हता जैसा कि इस अनुसूची के साथ संलग्न सूची में विशेषत: उल्लिखित है को उत्तीर्ण करना चाहिए ।

टिप्पणी—कामिल-ए-तिब्-ओ-जराहत मुख्य पाठ्यक्रम (उर्दू माध्यम) के लिए अभ्यर्थी को उर्दू सहित अर्हकारी परीक्षा अथवा उर्दू सहित आधुनिक भारतीय भाषा परीक्षा भी उत्तीर्ण होना चाहिए ।

3. प्रवेश के लिए न्यूनतम वय—

(क) मुख्य कामिल-ए-तिब्-ओ-जराहत (बैचलर आफ यूनानी मैडीसिन एण्ड सर्जरी) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश वर्ष में प्रथम अक्तूबर को 17 वर्ष

(ख) एक वर्षीय अवधि के प्राग तिब् पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश वर्ष में प्रथम अक्तूबर को 16 वर्ष

पाठ्यक्रम की अवधि और परीक्षा—

(क) प्राग-तिब् पाठ्यक्रम एक वर्षीय अनिवार्य आवासी विशिखानुप्रवेश सहित मुख्य 4½ वर्षीय यूनानी उपाधि पाठ्यक्रम के अग्र एक वर्ष की अवधि का पूर्णकालिक पाठ्यक्रम होगा ।

(ख) मुख्य पाठ्यक्रम तीन व्यावसायिक परीक्षाओं में बैठा हुआ 4½ वर्ष की अवधि का पूर्णकालिक पाठ्यक्रम होगा ।

(ग) इसके अतिरिक्त एक अभ्यर्थी जिसने तृतीय व्यावसायिक परीक्षा उत्तीर्ण की है मान्य संस्था/अस्पताल में 12 माह के आवासी विशिखानुप्रवेश की संतोषजनक पूर्ता के पश्चात् कामिल-ए-तिब्-ओ-जराहत (बैचलर आफ यूनानी मैडीसिन एण्ड सर्जरी) उपाधि प्रदान किए जाने हेतु पात्र होगा ।

1. प्रथम व्यावसायिक	18 माह
2. द्वितीय व्यावसायिक	18 माह
3. तृतीय व्यावसायिक	18 माह
4. विशिखानुप्रवेश	12 माह

उपस्थिति

प्रत्येक छात्र को प्रत्येक प्राग्/तिब्/व्यावसायिक पाठ्यक्रम के दौरान प्रत्येक विषय में दिए गए व्याख्यानों और कराए गए प्रायोगिक निदर्शन/चिकित्सीय प्रत्यक्ष कर्माभ्यास के न्यूनतम तीन चौथाई में उपस्थित होना होगा और प्रत्येक छात्र को वर्ष के दौरान शैक्षिकटूर/पर्यटन में भी भाग लेना होगा बशर्ते कि महाविद्यालय के प्राचार्य किसी छात्र को उस विस्तार तक कि वह प्रत्येक मामले के व्यक्तिगत गुण पर आवश्यक समझता है ऐसी हाजिरी से छूट दे दे ।

3. पाठ्यक्रम की सफलतापूर्वक पूर्णता के पश्चात् प्रदान की जाने वाली उपाधि कामिल-ए-तिब्-ओ-जराहत (बैचलर आफ यूनानी मैडीसिन एण्ड सर्जरी)

(1) निर्देश का माध्यम—

(क) निर्देश का माध्यम जहां आवश्यक हो वहां अंग्रेजी से प्रमाणित उर्दू होगा हिन्दी अथवा क्षेत्रीय भाषा में अध्यापन की सुविधा दी जाए और माध्यम में परिवर्तन अपनाया जाए बशर्ते पाठ्यग्रन्थ हिन्द अथवा प्रान्तीय भाषाओं में उपलब्ध कराई जाएं ।

(ख) अध्ययन के पाठ्यक्रम में आवश्यक आधुनिक विकासों को सम्मिलित किया जाएगा ऐसे मामलों में शब्दावली अरबी समतुल्य के साथ आधुनिक मानक शब्दावली होगी । यूनानी के लिए शब्दावली अनिवार्यतः यूनानी शब्दावली रहेगी ।

(2) कार्य दिवसों की संख्या—

एक वर्ष में कार्य दिवसों की संख्या प्रत्येक दिन में पैंतालीस मिनट की अवधि के न्यूनतम सात व्याख्यानों सहित दो सौ होगी ।

(क) एक वर्षीय अवधि का प्राग्-तिब् पाठ्यक्रम और व्याख्यानों की संख्या—

क्रम संख्या	विषय	व्याख्यानों की संख्या		परीक्षा योजना		
		सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रश्न-पत्र	सैद्धान्तिक अंक	प्रायोगिक अंक
1.	तबीयात	200	100	एक	100	100
2.	कीमिया	200	100	एक	100	100
3.	नबातीयात	200	100	एक	100	100
4.	हैवानियात	200	100	एक	100	100
5.	अंग्रेजी	150	—	एक	100	—
		950	400		500	400

व्याख्यानों की अवधि

सैद्धान्तिक के लिए न्यूनतम अवधि पैंतालिस मिनट और प्रायोगिक के लिए एक घंटा होगी ।

कुछ विषयों में परीक्षा देने की छूट

प्राच्य अर्हता वाले छात्रों को अरबी और मान्तिक-ओ-फलसफा विषयों में प्रविष्ट होने की छूट दी जानी चाहिए । इसी प्रकार एक विषय के रूप में अंग्रेजी सहित उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों को अंग्रेजी विषय में प्रविष्ट होने से छूट दी जानी चाहिए ।

मुख्य पाठ्यक्रम में परीक्षा के विषय—

प्राक् चिकित्सीय

(क) प्रथम व्यावसायिक

1. तशरीह-उल-बदन
2. मुनाफे-उल-आजा
3. उमूरे-तबीया
4. मन्तिक-फलसफा और हैयात
5. अरबी
6. तारीख-ए-तिब

(ख) द्वितीय व्यावसायिक

1. इलमुल अदविया I (कुल्लियात और मुफरदात)
2. इलमुल अदविया II (मुरक्कबात और सैदला)
3. इलमुल अमराज और शारीरियात
4. इलमुल समूम और तिब्ब-ए-कानूनी
5. हिफजान-ए-सेहत तहफ्फुजी और समाजी तिब्ब

(ग) तृतीय व्यावसायिक

1. मुआलिजात I
2. मुआलिजात II
3. जराहियात
4. अमराज-ए-एन-उज्न-अनफ,हलक
5. इलमुल काबला, निस्वान-ओ-अतफाल

4½ वर्षीय अवधि का मुख्य पाठ्यक्रम

विभिन्न विषयों के लिए व्याख्यानों/प्रायोगिक/निर्देशों की संख्या

(क) प्रथम व्यवसायी पाठ्यक्रम के विषय	व्याख्यान	प्रायोगिक/निर्देशन
1. तशरीह-उल-बदन	300	200
2. मुनाफे-उल-अजा	300	150
3. उमूरे-तबीयात	150	50
4. मन्तिक, फलसफा और हैयात	150	—
5. अरबी	150	—
6. तारीख-ए-तिब्ब	100	—
	1150	400

(ख) द्वितीय व्यवसायी पाठ्यक्रम के विषय	व्याख्यान	प्रायोगिक/निर्देशन
1. इलमुल अदविया I (कुल्लियात और मुफरदात)	300	150
2. इलमुल अदविया II (मुरक्कबात और सैदला)	250	150
3 इलमुल अमराज और शरीरयात	250	150
4. इलमुल समूम और तिब्बी कानूनी	200	50
5. हिफजाने-सेहत तहफ्फुजी और समाजी तिब	250	50
	1250	550

(ग) तृतीय व्यावसायी प्राठ्यक्रम के विषय		
1. मुआलिजात I	250	150
2. मुआलिजात II	250	150
3. जराहियात	200	100
4. अमराज ऐन व्न अनफ हलक	200	100
5. इलमुल कावला निसवान ओ अतफाल	300	100
	1200	600

परीक्षा योजना

प्रथम व्यवसायी पाठ्यक्रम	सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र	अंक	क्रियात्मक/मौखिक अंक	
1. तशरीह-उल-बदन	दो प्रश्नपत्र अ	100	एक	100
	प्रश्नपत्र ब	100		
2. मुनाफे-उल-अजा	दो प्रश्नपत्र अ	100	एक	100
	प्रश्नपत्र ब	100		
3. उमूरे तबीया	एक प्रश्नपत्र	100	एक मौखिक	100
4. मन्तिक फलसफा और हैयात	एक प्रश्नपत्र	100	—	—
5. अरबी	एक प्रश्नपत्र	100	—	—
6. तारीख-तिब्ब	एक प्रश्नपत्र	100	—	—
		800		300

टिप्पणी—जिन छात्रों ने मन्तिक फलसफा/अरबी विषयों में परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो उन्हें सम्बन्धित विषय में छूट दी जायगी।

द्वितीय व्यावसायी पाठ्यक्रम	सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र	अंक	क्रियात्मक/मौखिक अंक	
1. इलमुल अदविया I (कुल्लियात एवं मुफरदात)	दो प्रश्नपत्र क	100	एक	100
	प्रश्नपत्र ख	100		
2. इलमुल अदविया II (मुरक्कबात एवं सैदला)	दो प्रश्नपत्र क	100	एक	100
	प्रश्नपत्र ख	100		
3. इलमुल अमराज एवं शरीरयात	प्रश्नपत्र क	100	एक	100
	दो प्रश्नपत्र ख	100		
4. हिफ्जाने-सेहत (तहफ्फुजी-ओ-समाजी-तिब)	दो प्रश्नपत्र क	100	एक	100
	प्रश्नपत्र क	100		
	प्रश्नपत्र ख	100		
5. इलमुल समूम एवं तिब्बे कानूनी	प्रश्नपत्र क	100	एक	100
	दो प्रश्नपत्र ख	100		
		1000		500

तृतीय व्यावसायी पाठ्यक्रम	सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र	अंक	क्रियात्मक/मौखिक अंक	
1. मुआलीजात I	दो प्रश्नपत्र अ	100	एक	100
	प्रश्नपत्र ब	100		
2. मुआलीजात II	दो प्रश्नपत्र अ	100	एक	100
	प्रश्नपत्र ब	100		
3. जराहियात	दो प्रश्नपत्र अ	100	एक	100
	प्रश्नपत्र ब	100		
4. अमराजे ऐन उजन अनफ, हलक	प्रश्नपत्र अ	100	एक	100
	दो प्रश्नपत्र ब	100		
5. इलमुल कावला निसवान, ओ अतफाल	दो प्रश्नपत्र अ	100	एक	100
	प्रश्नपत्र ब	100		
		1000		500

टिप्पणी—प्रत्येक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र तीन घंटे का होगा।

टिप्पणी—तृतीय व्यावसायिक परीक्षा में विषयों और पत्रों का विभाजन

मुआलिजात 1 प्रश्नपत्र क में हुम्मियात होगा

मुआलिजात 1 प्रश्नपत्र ख में अमराज रास होगा

मुआलिजात 2 प्रश्नपत्र क में अमराज-ए-सदरा-ओ-रिया और अमराजे आमा होगा

मुआलिजात 2 प्रश्नपत्र ख में अमराज-ए-हजम आजा-ए-बाउल-ओ-तनासुल तक होगा

जराहत प्रश्नपत्र अ में जराहत ए-आमा होगा (सामान्य शल्य)

जराहत प्रश्नपत्र ब में जराहत ए-मखसूसा होगा (विशिष्ट शल्य चिकित्सा)

अमराज-ए-ऐन, उजन अनफ हलक प्रश्नपत्र अ में अमराज-ए-एन और प्रश्नपत्र ब में अमराज उज्न अनफ, हलक, असनान (नाक, कान, गला) होगा ।

इलमुल कबाला और अमराज निसवान अतफाल प्रश्नपत्र अ में इलमुल कबाला, अमराज नउज मौलूद और प्रश्नपत्र ब में अमराज निसवान और अतफाल होगा ।

टिप्पणी—तृतीय व्यावसायी पाठ्यक्रम के छात्र मुआलिजात विभाग के अन्तरंग और बहिरंग विभाग में 9 माह के लिए नियुक्त किए जाएंगे और मुआलिजात प्रथम और द्वितीय में कम से कम 20 रोगियों का अभिलेख तैयार करेंगे । उन्हें जराहत विभाग में तीन माह के लिए नियुक्त किया जाएगा और 20 रोगियों का अभिलेख तैयार करेंगे । इसी प्रकार वे अमराज ए-एन-उज्न अनफ, हलक के विभाग में तीन माह के लिए नियुक्त किए जाएंगे और 20 रोगियों का अभिलेख तैयार करेंगे । इलमुल कबाला निसवान अतफाल के विभाग में वे तीन माह के लिए नियुक्त किए जाएंगे और 20 रोगियों का अभिलेख तैयार करेंगे ।

(3) विशिक्षानुप्रवेश :—तृतीय व्यावसायिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् प्रत्येक छात्र मान्य संस्था/अस्पताल में मुआलिजात विभाग में 5 माह, हिफ्ज नि-ए-सेहत तहफ्फुजी समाजी तिब्ब विभाग में दो माह, शल्य विभाग में दो माह, अमराज-एन-उज्न अनफ हलक विभाग में एक माह और इलमुल कबाला निसवान अतफाल विभाग में दो माह के लिए आवर्ती विशिक्षानुप्रवेश के लिए नियुक्त किया जाएगा ।

(4) परीक्षाओं में बैठना

(क) प्रथम व्यावसायी परीक्षा 18 माह के शिक्षण एवं क्रियात्मक के अन्त में होगी ।

प्रथम व्यावसायिक पाठ्यक्रम का शैक्षिक स्तर जुलाई के प्रथम दिवस से प्रारम्भ होगा और अगले वर्ष दिसम्बर में समाप्त होगा। परीक्षा सामान्यतः नवम्बर/दिसम्बर माह में होगी । उत्तरवर्ती प्रथम व्यावसायिक परीक्षा प्रत्येक छह माह में होगी । प्रथम व्यावसायिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अभ्यर्थियों को तीन लगातार अवसरों की अनुमति होगी । तथापि, प्रथम व्यावसायिक परीक्षा के तशरीह-उल-बदन, मुनाफे-उल-आजा एवं उमूरे तबीया के अतिरिक्त अन्य दो विषयों तक में अनुत्तीर्ण छात्र को द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम में रह जारी रखने की अनुमति दी जाएगी । केवल उन छात्रों को जिन्होंने प्रथम एवं द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा में समस्त विषयों को उत्तीर्ण किया को तृतीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम में जाने की अनुमति होगी ।

(ख) एक या दो विषयों में अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी को उत्तरवर्ती प्रथम व्यावसायिक परीक्षा के उस विषय/विषयों में बैठने की पात्रता होगी ।

(ग) उन अभ्यर्थियों जो प्रथम व्यावसायिक परीक्षा को तीन अवसरों में भी उत्तीर्ण करने में असफल रहते हैं को अपना अध्ययन जारी रखने की अनुमति नहीं होगी । तथापि, अभ्यर्थी की गम्भीर प्रकृति की अवस्था के मामले में और अपरिहार्य स्थिति/परिस्थितियों में विश्वविद्यालय प्रथम व्यावसायिक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने हेतु एक या अधिक अवसर प्रदान कर सकता है ।

परीक्षा में एक या अधिक विषयों में अनुत्तीर्ण छात्र परवर्ती द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा जो प्रति छह माह में होगी में प्रवेश के पात्र होंगे । समस्त विषयों में उत्तीर्ण छात्रों को ही तृतीय व्यावसायिक परीक्षा में प्रवेश की अनुमति होगी ।

(घ) द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा तीन वर्षों के अंत में होगी और प्रथम व्यावसायिक परीक्षा का अनुसरण करते हुए जनवरी में होगी । परीक्षा साधारणतः तीन वर्ष की पूर्णता के पश्चात् अप्रैल/मई में होगी ।

(ङ) अन्तिम व्यावसायिक परीक्षा प्रथम एवं द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् तृतीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम के 18 माह के अन्त में होगी ।

(च) यदि अभ्यर्थी अन्तिम व्यावसायिक परीक्षा में एक या अधिक विषयों में अनुत्तीर्ण रहता है तो वह परवर्ती तृतीय व्यावसायिक परीक्षा के उन विषयों में प्रवेश का पात्र होगा जो प्रति छह माह में होगी ।

(5) उत्तीर्णांक—

प्रायोगिक एवं अथवा मौखिक और सैद्धांतिक में पृथक-पृथक रूप से 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक होंगे । किसी विषय में 80 प्रतिशत और अधिक अंक उस विषय में विशेष योग्यता के सूचक होंगे ।

(6) परिणामों का वर्गीकरण

श्रेणी का वर्गीकरण

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय व्यावसायिक परीक्षा के पूर्ण योग के आधार पर होगा, बशर्ते वे एक बार में ही उत्तीर्ण हों ।

प्रथम श्रेणी—पूर्ण योग का 75 प्रतिशत या अधिक

द्वितीय श्रेणी—पूर्ण योग का 50 प्रतिशत या अधिक

विषय योग्यता—विषय में 80 प्रतिशत या अधिक

शिक्षक वर्ग के लिए विहित अर्हता

5. शिक्षकों की अर्हता

(क) चिकित्सीय विषयों के लिए

(1) अनिवार्य—

(अ) विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय अथवा भारतीय चिकित्सा के सांविधिक मंडल/संकाय/परीक्षा निकाय से यूनानी चिकित्सा में उपाधि/डिप्लोमा अथवा समकक्ष एवं भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1970 की द्वितीय अनुसूची में सम्मिलित ।

(ज) प्राध्यापक, प्रवाचक और वरिष्ठ प्रवक्ता के पद के लिए मान्य संस्था में अपने विषय में क्रमशः 10 वर्ष, 5 वर्ष और 3 वर्ष का अध्यापन अनुभव प्रवक्ता के पद के लिए अध्यापन अनुभव आवश्यक नहीं है।

(2) वांछनीय—मान्य संस्था/विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से यूनानी में स्नातकोत्तर अर्हता।

विषय पर प्रकाशित मौलिक लेख/पुस्तकें।

(ख) मौलिक विज्ञान के विषयों के लिए

सम्बन्धित विषय में प्रथम अथवा द्वितीय श्रेणी में एम. एस.सी.

(ग) अरबी और मन्तिक-ओ-फलसफा विषय के लिए

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् द्वारा अनुमोदित अरबी में फाजिल अथवा समकक्ष परीक्षा।

(घ) अंग्रेजी में प्रथम अथवा द्वितीय श्रेणी में एम.ए.।

टिप्पणी—विज्ञान अरबी/मन्तिक-ओ-फलसफा और अंग्रेजी विषयों के लिए केवल प्रवक्ता का प्रावधान होगा।

6. यूनानी तिब्बी महाविद्यालयों में प्राचार्य के पद के लिए अर्हताएं—

(अ) अनिवार्य—

(1) भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 के अधीन मान्य संस्था से प्रथम अथवा उच्च द्वितीय श्रेणी में यूनानी में उपाधि अथवा डिप्लोमा।

(2) कम से कम 10 वर्ष का अध्यापन अनुभव।

(ब) वांछनीय—

(1) कम से कम 5 वर्ष का प्रशासनिक अनुभव।

(2) यूनानी तिब्ब में स्नातकोत्तर अर्हता।

(3) यूनानी तिब्ब के किसी विषय पर मौलिक प्रकाशित कार्य।

(4) अरबी/फारसी और अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान।

टिप्पणी—संस्था के प्रमुख/विभागाध्यक्ष के पास अनिवार्यतः यूनानी तिब्ब में उपाधि/अनुभव होना चाहिए।

अध्यापकों का वेतनमान

यूनानी महाविद्यालयों के अध्यापकों का वेतनमान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विहित वेतनमान से कम नहीं होना चाहिए।

यूनानी चिकित्सा के स्नातकोत्तर विभाग के अध्यापकों के लिए विहित अर्हताएं—

चिकित्सा विषयों के लिए

अनिवार्य—

(1) विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय अथवा सांविधिक/मंडल/संकाय/भारतीय चिकित्सा की परीक्षा निकाय से यूनानी चिकित्सा की उपाधि/डिप्लोमा या उसके समकक्ष और भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 में सम्मिलित हो।

(2) प्राध्यापक, प्रवाचक एवं वरिष्ठ व्याख्याता के पद के लिए सम्बन्धित विषय में मान्य संस्था में क्रमशः 10 वर्ष, 5 वर्ष एवं 3 वर्ष का अध्यापन अनुभव।

(3) मान्य संस्था/विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से उस विषय में स्नातकोत्तर अर्हता।

(4) विषय पर प्रकाशित मौलिक लेख/पुस्तकें।

टिप्पणी—उन विषयों जिनमें स्नातकोत्तर शिक्षा प्रारम्भ नहीं हुई है और अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं हैं, अध्यापन अनुभव निम्न प्रकार से बढ़ाते हुए क्षति पूर्ति की जाएगी।

सम्बन्धित विषय में प्राध्यापक के लिए 13 वर्ष, प्रवाचक के लिए 8 वर्ष और वरिष्ठ व्याख्याता के लिए 6 वर्ष का अध्यापन अनुभव अनिवार्यतः आवश्यक होगा।

यूनानी उपाधि पाठ्यक्रम में प्रवेश के उद्देश्य से हायर सैकेण्डरी/इन्टरमीडिएट अथवा 12वीं कक्षा के समकक्ष अरबी/फारसी में प्राप्य अर्हताओं की सूची

क्रम सं., प्रदान करने वाली निकाय एवं अर्हता

1. लखनऊ विश्वविद्यालय—फाजिल-ए-अदब अंग्रेजी सहित

2. नदवातुल उलमा (लखनऊ)—फाजिल-ए-तफसिर

3. दारूल उलूम नदवा (लखनऊ)—फाजिल

4. दारूल उलूम, देवबन्द—फाजिल

5. बनारस विश्वविद्यालय (वाराणसी)—फाजिल

6. अल-जमीअतुल सलाफिया (वाराणसी)—फाजिल

7. बोर्ड आफ अरबिक और परशियन एग्जामिनेशन्स, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद—अरबी में फाजिल

8. मदरसाई फैज अम मऊनाथ भंजन, आजमगढ़—फाजिल

9. दारूल हदीस, मऊनाथ भंजन, आजमगढ़ (उ. प्र.)—फाजिल

10. जमीअतुल फलाह, बिलारियागंज, आजमगढ़ (उ. प्र.)—फाजिल

11. दारूल उलूम अहले सुन्नत, मदरसाई अशरफिया मिसबाहुल उलूम, मुबारकपुर, आजमगढ़—फाजिल

12. मदरसाई सिराजुल उलूम बोधियार, जिला गोंडा (उ. प्र.)—फाजिल

13. दारूल हुदा, यूसुफपुर जिला-बस्ती (उ. प्र.)—फाजिल

14. जामिया फारूकिया, सबुहद वाया शाहगंज जिला—जौनपुर (उ. प्र.)—फाजिल

15. दारूल उलूम अरबी महाविद्यालय, मेरठ शहर (उ. प्र.)—फाजिल

16. मजाहिरूल उलूम, सहारनपुर (उ. प्र.)—फाजिल

17. राजकीय मदरसाई आलिया, रामपुर—फाजिल

18. जामिया इस्लामिया अल्महद, ओखला, नई दिल्ली—फाजिल

CENTRAL COUNCIL OF INDIAN MEDICINE
NEW DELHI

G.S.R.—In exercise of the powers conferred by clause (i) (j) and (k) of section 36 of the Indian Medicine Central Council Act 1970 (48 of 1970), the Central Council of Indian Medicine, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Medicine Central Council (Minimum Standards of Education in Indian Medicine) Regulations, 1986, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Indian Medicine Central Council (Minimum Standards of Education in Indian Medicine) Amendment Regulations, 1995.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Medicine Central Council (Minimum Standards of Education in Indian Medicine) Regulations 1986, for the existing Schedule III, the following Schedule shall be substituted, namely :—

"SCHEDULE—II (See Regulation 7)

MINIMUM STANDARDS FOR THE COURSE OF KAMIL-E-TIB-O-JARAHAT

(Degree Course)

1. AIMS AND OBJECTIVES OF UNANI EDUCATION

To produce competent Unani Physicians who can handle all sorts of cases medical as well as surgical based on their extensive knowledge about the fundamental theories and the basic principles of the Unani System of Medicine with modern advances where necessary. Such Unani graduate shall be competent to serve in the medical and health services of the country.

2. (1) QUALIFICATIONS FOR ADMISSION

A candidate seeking admission to main Kamil-e-Tib-o-Jarahat (Bachelor of Unani Medicine and Surgery) Course must have passed Senior Secondary (12th Standard)/Intermediate examination with Science (Physics, Chemistry and Biology or its equivalent examination.

OR

has passed the Pretib Examination of one year duration.

(2) QUALIFICATION FOR ADMISSION TO PRE-TIB COURSE

A candidate seeking admission to one year Pre-tib Course must have passed the Oriental qualification equivalent to Intermediate Examination, as specified in the list attached to this schedule, established by the Central Council of Indian Medicine leading to main Unani Course.

NOTE : For Kamil-e-Tib-o-Jarahat Main Course (Urdu Medium) the candidate should have also passed the qualifying examination with Urdu either MIL examination with Urdu.

(3) MINIMUM AGE FOR ADMISSION :

(a) 17 years on 1st October in the year of admission for admission to main Kamil-e-Tib-o-Jarahat (Bachelor of Unani Medicine and Surgery) Course.

(b) 16 years on 1st October in the year of admission for admission to Pre-tib Course of one year duration.

(4) DURATION OF COURSE AND EXAMINATION :

(a) Pre-tib Course will be a full time course of one year duration leading to main 4½ years Unani degree Course and one year compulsory rotatory internship.

(b) Main Course shall be a whole time course of 4½ years duration splited in three Professional Examinations.

(c) In addition a candidate who has passed the IIIrd Professional Examination shall be eligible for award of Kamil-e-Tib-o-Jarahat Bachelor of Unani Medicine and Surgery) degree after satisfactory completing 12 months rotatory internship in recognised institution/hospital.

(I) Ist Professional—18 Months

(II) IInd Professional—18 Months

(III) IIIrd Professional—18 months

(IV) Internship—12 months

(5) ATTENDANCE

Each student shall be required to attend not less than three forth of the lectures delivered and practicals/demonstrations/clinicals held in each subject during each Pre-tib/Professional Course and each student also be required to participate in education trips/tours of the college during the year, provided that the Principal of the college may exempt any student from such participation to the extent he deemed necessary on individual merit of each case.

3. DEGREE TO BE AWARDED AFTER SUCCESSFUL COMPLETION OF COURSE

KAMIL-E-TIB-O-JARAHAT

Bachelor of Unani Medicine and Surgery)

(1) MEDIUM OF INSTRUCTION

(a) Medium of instruction shall be Urdu substantiated with English wherever necessary. Facilities for teaching in Hindi or regional language may be provided and a change in the medium may be adopted provided the text books in Hindi or regional languages are made available.

(b) Necessary modern advancements shall be incorporated in the Course of studies. In such cases terminology shall be standard modern terminology with Arabic equivalent. For Unani, the terminology shall essentially remain the Unani terminology

(2) NUMBER OF WORKING DAYS

The number of working days in a year may be two hundred with atleast seven lectures of forty five minutes duration each day.

(a) PRE-TIB COURSE OF ONE YEAR DURATION AND NUMBER OF LECTURES

S. No.	Subjects	No. of Lectures		Scheme of Examination		
		Theory	Practical	Papers	Theory Marks	Practicals Marks
1.	Tabiyat	200	100	One	100	100
2.	Kimiya	200	100	One	100	100
3.	Nabatiyat	200	100	One	100	100
4.	Haiwaniyat	200	100	One	100	100
5.	English	150	—	One	100	—
		950	400		500	400

(3) DURATION OF LECTURES

The minimum duration for theory should be forty five minutes, and one hour for practicals.

(4) EXEMPTION FOR APPEARING IN CERTAIN SUBJECTS

The students with oriental qualification should be exempted from appearing in subject of Arabic and Mantiq-o-Falsafa. Likewise, Higher Secondary passed students with English as one of their subjects should be exempted from appearing in the subject of English.

(5) SUBJECTS OF EXAMINATION IN MAIN COURSE PRE CLINICAL

(a) 1st PROFESSIONAL COURSE

(i) TASHREEHUL BADAN
(ii) MUNAFE-UL-AZA
(iii) UMOOR-E-TABIYAT
(iv) MANTIQUE FALSAFA & HAIYAT
(v) ARABIC
(vi) TARIKHE-TIB

(b) 2ND PROFESSIONAL COURSE

(i) ILMUL ADVIA I (Kulliyat & Mufradat)
(ii) ILMUL-ADVIA II (Murakkabat & Caidala)
(iii) ILMUL AMRAZ & SAREERYAT
(iv) ILMUL-SAMOOM & TIBB-E-QANOONI
(v) HIFZAN-E-SEHAT TAHAFFUZI & SAMAJI TIB

(c) 3RD PROFESSIONAL COURSE

(i) MOALIJAT I
(ii) MOALIJAT II
(iii) JARAHIYAT
(iv) AMRAZ AIN UZN ANAF HALAQ
(v) ILMUL QABALA, NISWAN-O-ATFAL

4. MAIN COURSE OF 4½ YEARS DURATION

(1) Number of Lectures/Practicals Demonstrations for various subjects.

(a) Subjects of 1st Professional Course	Lectures	Practicals/ Demonstration
(i) Tashreehul Badan	300	200
(ii) Munafe-ul-Aza	300	150
(iii) Umoor-e-Tabiyat	150	50
(iv) Mantique, Falsafa & Haiyat	150	—
(v) Arabic	150	—
(vi) Tarikh-e-Tib	100	—
	1150	400

(b) Subjects of 2nd Professional Course	Theory	Practical
(i) Ilmul Advia I (Kulliyat & Mufradat)	300	150
(ii) Ilmul Advia II (Murakkabat & Saidla)	250	150
(iii) Ilmul Amraz & Sareeryat	250	150
(iv) Ilmul-Samoom & Tibbi Qanooni	200	50
(v) Hifzan-e-Sehat Tahaffuzi & Samaji Tib	250	50
	1250	550

(c) Subjects of 3rd Professional Course	Theory	Practical
(i) Moalijat I	250	150
(ii) Moalijat II	250	150
(iii) Jarahiyat	200	100
(iv) Amraz Ain Uzn Anaf Halaq	200	100
(v) Ilmul Qabala, Niswan-e-Atfal	300	100
	1200	600

SCHEME OF EXAMINATION

(a)	Ist Professional Course	Theory Papers		Marks	Practical/Viva	Marks
(i)	Tashreehul Badan	Two	(Paper A	100	One	100
			(Paper B	100		
(ii)	Muna fa-ul-Aza	Two	(Paper A	100	One	100
			(Paper B	100		
(iii)	Umoor-e-Tabiya	One Paper		100	One Viva	100
(iv)	Mantiq Falsafa & Haiyat	One Paper		100	—	—
(v)	Arabic	One Paper		100	—	—
(vi)	Tarikh-e-Tib	One Paper		100	—	—
				800		300

NOTE : The students who have passed subject of Mantiq, Falsafa/Arabic in qualifying examination will be exempted in respective subjects.

(b)	IInd Professional Course	Theory Papers		Marks	Practical/Viva	Marks
(i)	Ilmul Advia I (Kulliyat & Mufradat)	Two	(Paper A	100	One	100
			(Paper B	100		
(ii)	Ilmul Advia II (Murakkabat & Saidala)	Two	(Paper A	100	One	100
			(Paper B	100		
(iii)	Ilmul Amraz & Sareeriyat	Two	(Paper A	100	One	100
			(Paper B	100		
(iv)	Hifzan-e-Sehat (Tehaffuzi-vo-Samaji Tib)	Two	(Paper A	100	One	100
			Paper B	100		
(v)	Ilmul Samoom & Tibb-e-Qanooni	Two	(Paper A	100	One	100
			(Paper B	100		
				1000		500

(c)	IIIrd Professional Course	Theory Papers		Marks	Practical Viva	Marks
(i)	Moalijat I	Two	(Paper A	100	One	100
			(Paper B	100		
(ii)	Moalijat II	Two	(Paper A	100	One	100
			(Paper B	100		
(iii)	Jarahiyat	Two	(Paper A	100	One	100
			(Paper B	100		
(iv)	Amraz-e-Ain-	Two	(Paper A	100	One	100
			(Paper B	100		
(v)	Ilmul Qabala Uzn-Anaf-Halaq	Two	(Paper A	100	One	100
			(Paper B	100		
				1000		500

N.B. Each Theory Paper shall be of 3 hours duration.

NOTE : Distribution of subjects and papers in IIIrd Professional Exams.

Moalijat I Paper A will contain Hummiyat

Moalijat I Paper B will contain Amraz-e-Ras

Moalijat II Paper A will contain Amraz Sadra-e-Riya and Amraz-e-Amma

Moaljiat II Paper B will contain Amraz-e-Hazam upto Azu-e-Boul-o-Tanasul

Jarahat Paper A will contain Jarahat-e-Amma (General Surgery)

Jarahat Paper B will contain Jarahat-e-Makhsoos (Special Surgery)

Amraz-e-Ain Uzn Anaf Halaq paper A will contain Amraz-e-Ain.

Paper B will contain Amraz Uzn Anaf Halaq Asnan (E. N. T.) Ilmul Qabala and Amraz Niswan Atfal paper A will contain Ilmul-Qabala Amraz Nau Maulud and Paper B will contain Amraz-e-Niswan-e-Atfal.

NOTE : The students of IIIrd Professional Course will be posted for 09 months in Indoor and outdoor of Moalijat department and will record atleast 20 cases each in Moalijat I and II respectively. They will be posted for 03 months in Jarhat department and will record 20 cases. Similarly they will be posted for 03 months in the department of Amraz-e-Ain Uzn Anaf Halaq and will record 20 cases. In the department of Ilmul Qabala Niswan Atfal, they will be posted for three months and will be record 20 cases.

(3) INTERNSHIP : After passing the III Professional Exam. each student shall be posted for rotatory internship in a recognised institution/hospital for 05 months in the department of Moalijat 02 months in the department of Hifzan-e-Sehat, Tahaffuzi Samaji Tibb (SPM), 02 months in the department of Surgery, 01 month in the department

of Amraz-e-Ain Uzn Anaf Halaq and 02 months in the department of Ilmul Qabala Niswan Atfal.

(4) APPEARANCE IN EXAMINATIONS :

(a) First Professional Examination will be held at the end of the teaching & practicals for 18 months.

The academic session of the first Professional Course will start from 1st day of July and end in December next year. The examination shall ordinarily be held during the month of November/December. The subsequent 1st Professional examination will be held every six months. Candidates shall be allowed 3 successive opportunities in order to pass the 1st Professional Examination. However, a student failed in not more than two subjects other than Tashrihul Badan, Munafe-ul-Aza and Umoor-e-Tabiya of 1st Professional Examination may be allowed to keep term in IInd Professional Course. Only those students who passed in all subjects in Ist and IInd Professional Exams. shall be allowed to take on the IIIrd Professional Course.

(b) A candidate who remains failed in one or two subjects in the Examination shall be eligible to appear in that subject/subjects in subsequent first Professional Examination.

(c) Candidate who fail to pass the Ist Professional Examination in three opportunities shall not be allowed to continue their studies. However in case of personal illness of a serious nature of a candidate and in unavoidable condition/circumstances the University may permit one or more opportunity for passing the Ist Professional Course.

Those who remain failed in one or more subjects in the examination shall be eligible to appear in the subsequent Second Professional examination which may be held every six month. Only those students who passed in all subjects, shall be allowed to take on the IIIrd Professional Course.

(d) The IInd Professional Examination will be held at the end of 3 years and shall start in January following the first Professional Examination. The examination shall be held ordinarily in April/May of year after the completion of 3 years

(e) The final professional examination will be held after passing the Ist and IInd Professional Examinations at the end of 18 months of IIIrd Professional Course.

(f) If a candidate remains failed in one or more subjects in Final Professional Examination he/She shall be eligible to appear in those subjects in subsequent IIIrd Professional examinations which will be held every 6th month.

(5) PASS MARKS :

The pass marks shall be 50 percent in practical and or Viva voice and theory separately. 80 percent and above marks in a subject will indicate distinction in the subject.

(6) CLASSIFICATION OF RESULTS :

The classification of division will be on the basis of aggregate of Ist, IInd and IIIrd Professional examination provided they pass in first attempt.

Ist Division 75% or above in the aggregate.

2nd Division 50% or above in the aggregate.

Distinction 80% or above in the subject.

QUALIFICATION PRESCRIBED FOR TEACHING STAFF

QUALIFICATION OF TEACHERS

I ESSENTIAL

(i) Degree/Diploma in Unani Medicine from a University established by law or a statutory Board/Faculty/Examining Body of Indian Medicine or equivalent and included in IInd Schedule of the Act.

(ii) Teaching experience in a recognised institution for ten years, five years & three years for the post of Professor, Reader, and Senior Lecturer respectively in the respective discipline. No teaching experience is required for the post of Lecturer.

II. DESIRABLE

Post-graduate qualification in Unani from a recognised institution/University established by law.

Oirginal published papers/books on the subject.

(b) For subejcts of Basic Sciences

M. Sc. first or second class in a respective subject.

(c) For the subject of Arabic and Mantiq-o-Falsafa Fazil in Arabic or equivalent Exam approved by the CCIM.

(d) For English

M. A. first or second class in English.

NOTE : or Sciences subjects, Arabic, Mantiq-o-Falsafa & English there shall be the provision of lectureship only.

6. QUALIFICATIONS FOR THE POST OF PRINCIPAL OF UNANI TIBBI COLLEGES

(I) ESSENTIAL

(i) First class or good second class degree or diploma from an institution which is recognised under IMCC Act, 1970.

(ii) Teaching experience of atleast 10 years

(II) DESIRABLE

(i) At least five years administrative experience.

(ii) Post-graduate qualifications in Unani Tib.

(iii) Original published work in any subject or the Unani Tib

(iv) Good knowledge of Arabic/Persian and English.

NOTE : Head of the Institution/Heal of the Department should essentialy hold degree/experience in Unani Tibb.

(III) PAY SCALE OF TEACHING STAFF

Scale of pay of teaching staff of Unani Colleges should not be less than the scale of pay prescribed by the University Grants Commission.

7. QUALIFICATION PRESCRIBED FOR TEACHING STAFF OF POST-GRADUATE DEPARTMENT IN UNANI MEDICINE

FOR MEDICAL SUBJECTS

ESSENTIAL

(i) Degree/Diploma in Unani Medicine from a University established by law or a Statutory Board/Faculty/Examining Body of Indan Medicine of equivalent and included in IInd Schedule of Indian Medicine Central Council Act, 1970.

(ii) Teaching experience in a recognised institution for ten years five years and three years for the post of Professor, Reader and Sr. Lecturer respectively in the respective discipline.

(iii) Post-graduate qualification in the discipline from the recognise institution/University established by Law.

(iv) Onginal pubilshed papers/books on the subjects.

NOTE : In case of those disciplines in which Post-graduate education has not been started and candidates are not available, the compensation shall be made by the enhancement in the teaching experience as elaborated under. :

13 years for Professor, 8 years for reader and 6 years for Sr. Lecturer in the subject concerned shall be essentially required.

LIST OF ORIENTAL QUALIFICATIONS IN ARABIC/ PERSAN EQUIVALENT TO HIGHER SECONDARY/ INTERMEDIATE/OR 12TH STANDARD FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO THE UNANI DEGREE COURSE

S. No., AWARDED & QUALIFICATION

1. Lucknow University—Fazil-e-Adab (Arabic) with English

   Lucknow University—Fazil-e-Tofsir

2. Nadvatul-Ulma (Lucknow)—Fazil-e-Tofsir
3. Darul-Uloom Nadva (Lucknow)—Fazil
4. Darul-Uloom Deoband—Fazil
5. Banaras Hindu University (Varanasi)—Fazil
6. Al-Jamaeatul Salafiah, (Varanasi)—Fazil
7. Board of Arabic and Persian, Examination U. P. Allahabad—Fazil in Arabic
8. Madrasai Faize Am Mau Nath Bhanjan Azamgarh (U. P.)—Fazil
9. Darul Hadees Mau Nath Bhanjan Azamgarh (U.P.) —Fazil
10. Jameatul Falah Bilariya Ganj Azamgarh (U.P.)— Fazil
11. Darul Uloom Ahle Sunnat Madrasai Ashrafia Misbahul Uloom Mubarakpur, Azamgarh—Fazil
12. Madrasai Sirajul Uloom Bondhiyar Distt. Gonda U.P.—Fazil
13. Batul Kuda Yusuf Pur, Distt. Basti (U.P.)—Fazil
14. Jamia Farooquia Sahrahad Via Shahganj Distt., Jaunpur (U.P.)—Fazil
15. Darul Uloom Arabic College Meerut City (U.P.)— Fazil
16. Marsherul Uloom Saharanpur (U.P.)—Fazil
17. Government Madrasai Aila, Rampur—Fazil
18. Jamia Islamia Almahad Okhla, New Delhi—Fazil.

Sd/- (ILLEGIBLE)
Secretary
Central Council of Indian Medicine.

—35—

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित
तथा प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1996
PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD,
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1996